वार्षिक परीक्षा 2017-2018
हिन्दी भाषा

कक्षा : VIII
समय : 2 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें :- **[15]**

(क) लोग सर्दी की ठिठुरती रात में अपने आप को कैसे बचाते हैं ? गरीबों की इस मौसम में क्या दशा होती है? उनके प्रति हमारे क्या कर्त्तव्य है ? लिखें ।

(ख) हम सब को कोई न कोई अभिनेता या अभिनेत्री अच्छे लगते हैं। आपका प्रिय अभिनेता या अभिनेत्री कौन है? उसकी विशेषताओं की चर्चा करें।

(ग) सप्ताह का अंत कितना सुखद होता है। सप्ताहांत (weekend) में आपकी क्या दिनचर्या होती है ? - समझाकर लिखें।

(घ) 'वह व्यक्ति जिसे आप भुला न सके' - किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में लिखिए, जिसने मुसीबत के समय में आपकी सहायता की हो। वह कौन सी मुसीबत थी और उसने किस प्रकार आपकी सहायता की ? यह भी स्पष्ट करें।

(ङ) निम्नलिखित लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखें - "जाको राखे साइयाँ मार सके न कोय।"

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखें :- **[10]**

(क) 'योग' से होने वाले लाभ की चर्चा करते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखें तथा उसे इस कार्य को करने हेतु प्रोत्साहित करें।

(ख) विद्यालय प्रधानाचार्या को पत्र लिखकर बताएँ कि आपको विद्यालय में और कौन-कौन सी सुविधाओं की आवश्यकता है ? अपने सुझाव भी दें।

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिए गए प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में लिखें :-

रावण एक महान योद्धा था, साथ ही धुरंधर पंडित और विद्वान भी। रामचंद्रजी के साथ उसका युद्ध हुआ। एक भयंकर युद्ध, जिसकी लपेट में सोने की लंका भी जली और उसके वंश का नाश भी हुआ।

जब रावण युद्ध में अधिक घायल होने के बाद अपनी आखिरी घड़ियाँ गिन रहा था तो राम ने लक्ष्मण से कहा - "तुम रावण के पास जाओ। भले ही वह हमारा शत्रु है, लेकिन है तो महा विद्वान। उसकी अंतिम घड़ी समीप है। तुम उसके पास जाकर उसके जीवन का अनुभव पूछो।"

थी तो यह बड़े आश्चर्य की बात, भगवान राम का भाई जाए अपने विपक्षी दल के नेता के पास और वह भी ज्ञान वृद्धि के लिए। परन्तु रामचन्द्रजी का आदेश था। लक्ष्मण उनकी आज्ञा की अवहेलना कैसे करते ? लक्ष्मण रावण

Downloaded From www.icseboard.org

के पास पहुँचे और अपने आने का उद्देश्य बताया। रावण कहने लगा, – "अच्छा हुआ जो तुम यहाँ चले आए। मैं चाहता था कि लोग मेरे अनुभव से लाभ उठाएँ। इस जीवन में मेरे मन में बहुत सी इच्छाएँ उत्पन्न हुई जिनकी पूर्ति मैंने करनी चाही। इनमें से तीन प्रमुख थीं – पहली, पृथ्वी से आकाश तक सीढ़ी बनाने की। दूसरी थी अग्नि में जलाने की शक्ति कम करने की और तीसरी थी मृत्यु पर विजय प्राप्त करने की। मुझे सब कुछ मिला – प्रसिद्धि, विजय सौभाग्य, व वैभव सभी मेरे चरणों में लुटा। पर मैं अपनी ये इच्छाएँ पूर्ण न कर सका। जानते हो क्यों ? क्योंकि इतने भोग-विलास तथा सुख-समृद्धि की चीजों का स्वामी बनने के बाद मुझमें आलस्य समा गया। मैं समझने लगा कि मेरे लिए सब कुछ संभव है। मैं ने आज का काम कल पर छोड़ना शुरू कर दिया। मेरी यह आदत मुझे ले डूबी। इसी का परिणाम है कि आज मेरा इस तरह पतन हुआ।

प्रश्न (क) रावण कौन था ? उसके गुणों का उल्लेख करें। [4]

प्रश्न (ख) राम ने लक्ष्मण को किसके पास कब और क्यों भेजा ? [4]

प्रश्न (ग) लक्ष्मण को देखते ही रावण ने क्या कहा और क्यों ? [4]

प्रश्न (घ) रावण की इच्छाएँ क्यों नहीं पूरी हो पाई ? समझाकर लिखें। [4]

प्रश्न (ङ) इस गद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है ? स्पष्ट करें। [2]

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखें (शब्द उतारें) [5]

जंगल, दुष्ट, धरती, गणपति, चतुर ।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम बताएँ (शब्द उतारें) [5]

कुटिल, दिवस, जाग्रत, गरल, घात ।

6. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाएँ :- (मुहावरा अवश्य उतारें) [9]

खून खौलना, गुड़ गोबर करना, घोड़े बेचकर सोना ।

7. निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाएँ :- (शब्द उतारें) [3]

घबराना, हँसना, मिलना, चमकना, भूलना, चुनना ।

8. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखें (केवल उत्तर लिखें) [5]

(i) कष्ट सहन करने वाला –

(ii) जिसे गुप्त रखा जाए –

(iii) जो कठिनाई से प्राप्त किया जा सके –

(iv) जो चिरकाल तक ठहरे –

(v) जानने की इच्छा रखनेवाला –

Downloaded From www.icseboard.org

9. **निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों के दो-दो अर्थ लिखें :-** **[5]**

काम, नायक, चाल, दल, धन ।

10. **निर्देशानुसार वाक्य परिवर्त्तन करें :-** **[5]**

(i) वाणी की मधुरता सभी को आकर्षित करती है ।
(रेखांकित शब्द के स्थान पर विशेषण का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखें।)

(ii) परिश्रमी कभी निराश नहीं होते। ('जो' शब्द से वाक्य आरंभ करें।)

(iii) हमारा उद्देश्य ज्ञान की प्राप्ति होनी चाहिए। (वाक्य शुद्ध करें।)

(iv) यह सबसे पुरानी दवाइयों की दुकान है । (वाक्य शुद्ध करें।)

(v) तुम्हारी अक्ल मर गई है। (वाक्य शुद्ध करें।)

Downloaded From www.icseboard.org